जाह्नवी को मिला एक्टर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर को हाल ही में दिल्ली में आयोजित एक प्रतिष्ठित समारोह में उनकी फिल्म 'होमबाउंड' के लिए एक्टर ऑफ द ईयर (फीमेल) के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है.

भारत की ओर से ऑस्कर 2026 के लिये आधिकारिक एंट्री रही 'होमबाउंड' ने इंटरनेशनल फीचर फिल्म की कैटेगरी में टॉप 15 फिल्मों में अपनी जगह बना ली है. इस फिल्म में विशाल जेठला, ईशान खट्टर और जाह्नवी कपूर ने अहम भूमिका निभायी है फिल्म समीक्षकों से भरपूर सराहना बटोरने के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल कर चुकी इस फिल्म के लिए जान्हवी कपूर को मिला यह सम्मान उनके अभिनय करियर में न सिर्फ एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है, बल्कि ग्लोबल सिनेमा में जाह्नवी की मजबूत की मौजूदगी को और पुख्ता करती है. जाह्नवी कपूर ने अवॉर्ड जीतने के बाद इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए लिखा है, 'इस बेहद खास फिल्म के सफर में मैंने बहुत कुछ सीखा, लेकिन जो सबसे ख़ास बात मुझे लगी वो है कि किसी को भी जज करने से पहले हम अपने पूर्वाग्रहों के बोझ से निकलें और वे जैसे हैं, उन्हें उसी तरह देखें. हालांकि मैं दूसरों से भी यही उम्मीद करती हूँ कि मेरे बारे में कोई भी पूर्वाग्रह रखने या राय बनाने से पहले वे स्थिति का सही आकलन करें. मैं समझती हूँ यही एक ऐसा उपहार है, जो हम बतौर इंसान एक-दूसरे को दे सकते हैं.

जाह्नवी कपूर ने अपनी भावनाएं व्यक्त करने और अपने अभिनय को मिले इस ख़ास पहचान के लिए उन्होंने एनडीटीवी को भी धन्यवाद दिया है. जाह्नवी कपूर ने इस ख़ास फिल्म के लिए अपनी पोस्ट में निर्देशक नीरज घेवान के प्रति भी आभार जताते हुए उन्हें प्यार से 'सबसे बेहतरीन निर्देशक और ह्यूमन टेडी' कहा है.

उन्नी मुकुंदन निभाएंगे मोदी का किरदार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित फिल्म 'मा वंदे' की शूटिंग शुरू हो गयी है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित फिल्म 'मां वंदे' की टीम ने शूटिंग के पहले दिन परंपरागत पूजा के साथ शुभ शुरुआत की, जिसके शानदार दृश्य सोशल मीडिया पर साझा किए गए. यह फिल्म पहली बार सितंबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर घोषित की गई थी.

सिल्वर कास्ट क्रिएशन्स के बैनर तले वीर रेड्डी एम के प्रोडक्शन में बन रही इस फिल्म में मलयालम फिल्म स्टार उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका निभा रहे हैं. लेखक निर्देशक क्रांति कुमार सी एच के निर्देशन में बन रही यह फिल्म असली घटनाओं से प्रेरित है और श्री मोदी के जीवन के निजी और राजनीतिक दोनों पहलुओं को सच्चाई, गरिमा और बड़े पैमाने पर पेश करेगी.इंटरनेशनल स्तर के प्रोडक्शन, हाई टेक्निकल वैल्यू और जबरदस्त वीएफएक्स के साथ फिल्म बनाई जा रही है और पैन इंडिया भाषाओं के साथ साथ अंग्रेजी में भी रिलीज होगी.

उन्नी मुकुंदन ने इंस्टाग्राम पर मुहूर्त का वीडियो पोस्ट किया और लिखा, 'मां वंदे अब शुरू. एक नया अध्याय शुरू हो रहा है जो उस इंसान की कहानी बताएगा जिसने एक राष्ट्र की किस्मत गढ़ी.

62 वर्ष के हुए गोविंदा

बॉलीवुड में अपनी डांसिग स्टाइल और कॉमेडी अभिनय से दर्शको के दिलों मे खास पहचान बनाने वाले गोविंदा आज 62 वर्ष के हो गये.

21 दिसंबर 1963 में जन्में गोविन्दा फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखते थे. उनके पिता अरूण आहूजा अभिनेता जबकि मां निर्मला देवी चालीस के दशक में अभिनेता-अभिनेत्री के तौर पर फिल्मों में काम करते थे. बचपन के दिनो से हीं गोविन्दा भी अभिनेता बनने का ख्वाब देखा करते थे.गोविन्दा ने अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1986 में प्रदर्शित फिल्म इल्जाम से की. इस फिल्म में उन पर फिल्माया यह गीत' स्ट्रीट डांसर 'काफी लोकप्रिय हुआ.इस फिल्म की सफलता के बाद गोविन्दा की छवि एक डांसिग स्टार के रूप में बन गयी और फिल्मकारो ने उनकी इसी छवि को अपनी फिल्मों में जमकर भुनाया. इल्जाम में गोविन्दा की जोड़ी नीलम के साथ काफी पसंद की गयी.इस फिल्म के बाद नीलम और गोविन्दा ने कई फिल्मों में एक साथ काम किया .इन फिल्मों में लव 86. खुदगर्ज, हत्या, सिंदूर, फर्ज की जंग, ताकतवर और दो कैदी शामिल है. वर्ष 1987 में गोविंदा ने सुनीता के साथ शादी कर ली.

गोविन्दा के सिने सफर में उनकी जोड़ी डेविड धवन के साथ काफी पसंद की गयी. वर्ष 1989 में गोविन्दा ने निर्देशक डेविड धवन के साथ पहली बार ताकतवर में काम किया. इस फिल्म को टिकट खिड़की पर औसत सफलता प्राप्त हुयी लेकिन इस फिल्म के बाद डेविड धवन और गोविंदा की जोड़ी बन गयी और दोनो ने कई फिल्मों में एक साथ काम कर दर्शकों का मनोरंजन किया.

वर्ष 1993 में प्रदर्शित फिल्म 'आंखे 'गोविन्दा के सिने करियर की सर्वाधिक कामयाब फिल्म में शुमार की जाती है. इस फिल्म में एक बार फिर गोविन्दा ने अपने पसंदीदा निर्देशक डेविड धवन के साथ काम किया.

संगीता बालाचंद्रन ने गायत्री देवी के रूप में की एंट्री

भाबीजी घर पर हैं 2.0, जोकि एण्डटीवी का एक लोकप्रिय सिटकॉम है, एक नई कहानी, नए किरदारों और अपने चिर-परिचित हास्य के साथ लौट रहा है. शो दर्शकों के लिए हंसी, मनोरंजन और रोज़मर्रा की जिंदगी से जुड़े मजेदार पलों की नई सौगात लेकर आ रहा है. इस नए अध्याय में अभिनेत्री संगीता बालाचंद्रन की एंट्री हुई है, जो शो में मनमोहन तिवारी (रोहिताश्व गौड़) की मौसी गायत्री देवी का किरदार निभा रही हैं .अपने किरदार के बारे में बात करते हुए संगीता बालाचंद्रन ने कहा, 'गायत्री देवी एक मज़बूत, आत्मनिर्भर और आधुनिक महिला हैं . उन्होंने कभी एक विदेशी से शादी की थी, लेकिन परिवार द्वारा त्याग दिए जाने के बावजूद उन्होंने आत्मविश्वास नहीं खोया . उनकी सोच बहुत ही प्रगतिशील सोच है और मानती हैं कि हर महिला को पढ़ा-लिखा और अपने फैसले खुद लेने के लिए सशक्त होना चाहिए . वह सख्त हैं, झूठ बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करतीं, लेकिन दिल से बेहद नेक और अपनों के लिए बहुत प्यार रखने वाली हैं . शो को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने आगे कहा, 'गायत्री देवी का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद ताज़गीपूर्ण अनुभव है . यह एक ऐसी महिला है जिसने समाज के ताने सहे, लेकिन अपनी पहचान और सोच से कभी समझौता नहीं किया .

'सोनू के टीटू की स्वीटी' के वॉकिंग सीन के फैन हुए अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन, कार्तिक आर्यन की फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' के वॉकिंग सीन के फैन हैं.

कार्तिक आर्यन की फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी का एक आइकॉनिक वॉकिंग सीन एक बार फिर चर्चा में है और इस बार खुद सदी के महानायक अमिताभ बच्चन इसकी वजह बन हैं. सालों पहले फिल्म में दिखा यह शांत लेकिन बेहद असरदार पल अब दोबारा सुर्खियों में आ गया है, जब अमिताभ बच्चन ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर इस सीन को याद करते हुए कार्तिक आर्यन की तारीफ की.

अमिताभ बच्चन ने बातचीत के दौरान इस फिल्म का ज़िक्र करते हुए बताया कि कार्तिक का एक खास शॉट उनके ज़हन में आज भी बसा हुआ है. यह वही आखिरी सीन है, जहां कार्तिक का किरदार बिना एक भी शब्द बोले, सिर्फ खामोशी के साथ वहां से चला जाता है और भावनाएं खुद-ब-खुद सामने आ जाती हैं.

अमिताभ बच्चन ने उस पल को याद करते हुए कहा, 'मैं आपको बताऊं, मुझे आपका कौन सा शॉट याद है. आप लास्ट शॉट में एकदम सीरियस होकर खड़े होते हो. बस आपको 'ना' बोलना होता है. पर आप 'ना' नहीं बोलते. आप चुप-चाप चलकर आते हो... और निकल जाते हो.

जटिल यादव की रहस्यमयी दुनिया में रोमांचक वापसी

'रात अकेली है : द बंसल मर्डर्स' के प्रीमियर के साथ यह कहानी अब सिर्फ नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है. यह कहानी 'हूडनइट' फ्रेंचाइज़ी को और गहराई में ले जाती है, जहाँ पुलिस जांच की जगह, एक ताकतवर परिवार की हवेली में घटने वाला साइकोलॉजिकल ड्रामा पेश किया गया है. नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक बार फिर जटिल यादव के किरदार में नजर आ रहे हैं. उनकी खामोशी, जख्म और सच्चाई के प्रति मजबूत सोच ने पहली फिल्म में इस किरदार को खास बनाया था . इस बार कहानी एक हवेली के अंदर और भी तनावपूर्ण हो जाती है, जहां हर रास्ते के पीछे कोई न कोई मकसद छिपा है और हर सच की एक कीमत होती है . नवाज़ के मुताबिक, 'जटिल चाहे जितना भी बदल गया हो, लेकिन उसका इरादा बिल्कुल वही है . उसकी निष्पक्ष सोच, बारीकियों पर तेज नजर और शोर-शराबे के बीच सच तक पहुंचने की काबिलियत आज भी उसकी सबसे बड़ी ताकत हैं . जब भी कोई उसे डराने या दबाने की कोशिश करता है, तब भी वह सच्चाई की तलाश से कभी पीछे नहीं हटता .' 'इस किरदार में लौटना बहुत रोमांचक अनुभव रहा . मैं हनी और नेटफ्लिक्स को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इस कहानी को और बड़े अंदाज में वापस लाया . हम दर्शकों के सामने एक नया केस पेश करने के लिए उत्साहित हैं और उम्मीद करते हैं कि इस बार भी वे हमें उतना ही, या उससे ज्यादा प्यार देंगे .'

टॉक्सिक से कियारा का लुक रिलीज

रॉकिंग स्टार यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप् से अभिनेत्री कियारा आडवाणी के किरदार 'नादिया' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है.

वर्ष 2026 की सबसे धमाकेदार फिल्मों में गिनी जा रही फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप् का बज़ अब आसमान छू रहा है, क्योंकि फिल्म से कियारा आडवाणी के किरदार 'नादिया' का फर्स्ट लुक आखिरकार सामने आ गया है.

अलग-अलग तरह के रोल करके अपनी बहुमुखी अदाकारी का जलवा दिखा चुकी कियारा इस बार एक बिल्कुल नए अंदाज़ में नजर आ रही हैं.

डेनिम में क्लासी स्टाइल में नजर आई विद्या बालन

बॉलीवुड स्टार विद्या बालन ने अपने हालिया लुक में दिखाया है कि स्टाइल सिर्फ़ कपड़ों का नहीं, बल्कि उन्हें पहनने के तरीके और सोच का नाम है.

फैशन की दुनिया में अक्सर डेनिम को कैज़ुअल और यूथ-सेंट्रिक माना जाता है, लेकिन विद्या बालन ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सही एटिट्यूड और आत्मविश्वास के साथ डेनिम भी उतना ही पावरफुल और क्लासी हो सकता है. अपने हालिया लुक में विद्या बालन ने दिखाया कि स्टाइल सिर्फ़ कपड़ों का नहीं, बल्कि उन्हें पहनने के तरीके और सोच का नाम है.

डेनिम में विद्या बालन का अंदाज़ आराम और आत्मविश्वास का बेहतरीन मेल है. न कोई ज़रूरत से ज़्यादा एक्सपेरिमेंट, न ही दिखावे की कोशिश, बस एक सधा हुआ लुक, जो उनकी पर्सनैलिटी को पूरी तरह रिफ्लेक्ट करता है. उनका यह स्टाइल इस बात का सबूत है कि फैशन में उम्र या ट्रेंड्स की सीमाएँ नहीं होतीं.

विद्या हमेशा से ऐसे लुक्स के लिए जानी जाती रही हैं, जो कम्फर्ट के साथ स्ट्रॉन्ग स्टेटमेंट देते हैं. डेनिम में भी उनकी यही पहचान नज़र आती है, जो सहज, सशक्त और बेहद एलिगेंट है. उनका यह लुक उन महिलाओं के लिए भी प्रेरणा है, जो फैशन में खुद को साबित करने के बजाय खुद पर भरोसा रखना पसंद करती हैं.खास बात यह है कि विद्या बालन का यह डेनिम अवतार सिर्फ़ स्टाइल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सोच को दर्शाता है कि जब आत्मविश्वास सबसे बड़ा एक्सेसरी हो, तब कोई भी आउटफिट साधारण नहीं रह जाता.

उनका यह लुक एक बार फिर साबित करता है कि क्लास कभी ट्रेंड्स पर निर्भर नहीं करती, बल्कि अपनेपन और आत्मविश्वास से पैदा होती है.हर बार की तरह, इस बार भी विद्या बालन ने दिखा दिया कि वह सिर्फ़ शानदार अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक ऐसी स्टाइल आइकन हैं, जो सादगी में भी ताक़त और गरिमा को बखूबी उभारना जानती हैं

400 पदों पर असिस्टेंट मैनेजर भर्ती अभियंताओं के लिए बड़ा अवसर

रेल इंडिया तकनीकी एवं आर्थिक सेवा यानी राइट्स ने वर्ष 2025 में असिस्टेंट मैनेजर भर्ती के लिए बड़ी अधिसूचना जारी की है. इस भर्ती के तहत कुल 400 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी.

यह अवसर सिविल, विद्युत, संकेत एवं दूरसंचार, मैकेनिकल, धातुकर्म, रासायनिक, सूचना तकनीक, खाद्य तकनीक और फार्मा जैसे तकनीकी क्षेत्रों के युवाओं के लिए खास माना जा रहा है. ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 26 नवंबर से शुरू हो चुकी है और आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 दिसंबर निर्धारित की गई है.

राइट्स की यह भर्ती देशभर के मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, बोर्डों और संस्थानों से संबंधित विषय में डिग्री या डिप्लोमा रखने वाले अभ्यर्थियों के लिए है. बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि शैक्षणिक योग्यता संबंधित क्षेत्र से होना अनिवार्य है. आयु सीमा की बात करें तो 25 दिसंबर 2025 के अनुसार न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष तय की गई है. आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु में छूट का लाभ मिलेगा. आवेदन शुल्क सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 600 रुपये रखा गया है, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए शुल्क 300 रुपये निर्धारित किया गया है. शुल्क का भुगतान क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग या ई-चालान के माध्यम से किया जा सकता है. चयन प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी की जाएगी. पहले चरण में लिखित परीक्षा आयोजित होगी, जिसके बाद दस्तावेज़ सत्यापन किया जाएगा.

ऑनलाइन आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को राइट्स की आधिकारिक वेबसाइट राइट्स डॉट कॉम पर जाकर अधिसूचना पढ़नी होगी . इसके बाद ऑनलाइन आवेदन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेज़ अपलोड करने होंगे और शुल्क जमा कर आवेदन पत्र का प्रिंट सुरक्षित रखना होगा . कुल मिलाकर, राइट्स असिस्टेंट मैनेजर भर्ती 2025 तकनीकी योग्यता रखने वाले युवाओं के लिए सरकारी क्षेत्र में आगे बढ़ने का एक मजबूत अवसर मानी जा रही है .

इंटरव्यू से पहले ये बातें याद रखें युवा

सफलता खुद आपके कदम चूमेगी

आज के दौर में नौकरी पाना सिर्फ डिग्री का खेल नहीं रह गया है. किसी भी कंपनी में इंटरव्यू देना एक ऐसी प्रक्रिया है, जहां आपकी पढ़ाई के साथ- साथ आपका आत्म विश्वास, व्यवहार और सोच भी परखी जाती है. कई बार योग्य होने के बावजूद युवा छोटी-छोटी गलतियों की वजह से इंटरव्यू में पिछड़ जाते हैं. इसलिए जरूरी है कि इंटरव्यू में बैठने से पहले अहम बातों का विशेष ध्यान रखा जाए.

सबसे पहली और जरूरी बात है कंपनी के बारे में जानकारी. इंटरव्यू में जाने से पहले उस कंपनी का काम, उसका क्षेत्र, उसकी उपलब्धियां और भूमिका जरूर समझ लें. जब इंटरव्यू लेने वाला आपसे पूछता है कि आप हमारी कंपनी में क्यों काम करना चाहते हैं, तब आपका जवाब आपके होमवर्क को दर्शाता है. बिना जानकारी के दिया गया जवाब नकारात्मक प्रभाव डालता है.

दूसरी महत्वपूर्ण बात है अपने विषय और कौशल पर पकड़. जिस पद के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं, उससे जुड़ी बुनियादी जानकारी आपको अच्छी तरह आनी चाहिए. तकनीकी पद हो या गैर-तकनीकी, अपने क्षेत्र से जुड़े सवालों के लिए पहले से तैयारी जरूरी है. साथ ही, अपने कौशल और अनुभव को सरल शब्दों में समझाने का अभ्यास करें. तीसरा पहलू है वेशभूषा और प्रस्तुति. इंटरव्यू के दिन साफ-सुथरे और सादे कपड़े पहनें. बहुत ज्यादा चमक-दमक या लापरवाही दोनों ही गलत संदेश देती हैं. आपकी बॉडी लैंग्वेज, बैठने का तरीका, आंखों में आत्मविश्वास और मुस्कान बहुत कुछ कह जाती है. पहली छाप अक्सर आखिरी छाप बन जाती है.

चौथी बात है समय का पालन. इंटरव्यू के लिए हमेशा तय समय से पहले पहुंचें. देर से पहुंचना आपकी गंभीरता पर सवाल खड़ा करता है. समय से पहले पहुंचकर आप खुद को मानसिक रूप से तैयार कर सकते हैं और घबराहट भी कम होती है. पांचवां और बेहद जरूरी पहलू है संवाद करने का तरीका. सवालों के जवाब स्पष्ट, संक्षिप्त और ईमानदारी से दें. अगर किसी सवाल का जवाब नहीं आता, तो साफ-साफ कहें कि आपको इसकी जानकारी नहीं है, बजाय इसके कि गलत जवाब दें. आत्मविश्वास और विनम्रता का संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी है.

उत्तर प्रदेश पुलिस में 537 पदों पर भर्ती

उत्तर प्रदेश में पुलिस विभाग में नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है. उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने उप निरीक्षक (गोपनीय), सहायक उप निरीक्षक लिपिक और सहायक उप निरीक्षक लेखा पदों पर सीधी भर्ती के लिए अधिसूचना जारी कर दी है. इस भर्ती के अंतर्गत कुल 537 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी. ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 दिसंबर 2025 से शुरू हो चुकी है और 19 जनवरी 2026 तक आवेदन किया जा सकता है.

इस भर्ती में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और अधिकतम आयु 28 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 1 जुलाई 2025 के आधार पर की जाएगी. आरक्षित वर्गों को पुलिस नियमावली के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी. आवेदन शुल्क सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 500 रुपये, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला अभ्यर्थियों के लिए 400 रुपये तय किया गया है. शुल्क का भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, आईएमपीएस या मोबाइल वॉलेट के माध्यम से किया जा सकता है.

शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो उप निरीक्षक (गोपनीय) पद के लिए अभ्यर्थी का स्नातक होना अनिवार्य है. इसके साथ अंग्रेज़ी में 30 शब्द प्रति मिनट, हिंदी में 25 शब्द प्रति मिनट टाइपिंग गति, 80 शब्द प्रति मिनट आशुलिपि और 'ओ' लेवल संगणक पाठ्यक्रम प्रमाण पत्र जरूरी है. सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) के लिए स्नातक के साथ टाइपिंग और 'ओ' लेवल प्रमाण पत्र मांगा गया है. वहीं सहायक उप निरीक्षक (लेखा) पद के लिए वाणिज्य स्नातक डिग्री, हिंदी टाइपिंग 15 शब्द प्रति मिनट और 'ओ' लेवल प्रमाण पत्र अनिवार्य रखा गया है.

कंप्यूटर ऑपरेटर की बंपर भर्ती, 1352 पदों पर मौका

उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे तकनीकी दक्ष युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है. उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए भर्ती 2025 के लिए अधिसूचना जारी कर दी है. इस भर्ती के अंतर्गत कुल 1352 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी. ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 16 दिसंबर 2025 से शुरू हो चुकी है और इच्छुक अभ्यर्थी 15 जनवरी 2026 तक आवेदन कर सकते हैं.

यह भर्ती पुलिस विभाग में सूचना तकनीक से जुड़े कार्यों को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है. आयु सीमा की बात करें तो अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 28 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 1 जुलाई 2025 के आधार पर की जाएगी. आरक्षित वर्गों को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी. आवेदन शुल्क सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 500 रुपये, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए 400 रुपये रखा गया है. शुल्क का भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, आईएमपीएस या मोबाइल वॉलेट के माध्यम से किया जा सकता है. शैक्षणिक योग्यता के रूप में अभ्यर्थी का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से इंटरमीडिएट (12वीं) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है. यह भर्ती खास तौर पर उन युवाओं के लिए अवसर लेकर आई है, जिनके पास कंप्यूटर संचालन का बुनियादी ज्ञान है और जो पुलिस विभाग में तकनीकी भूमिका निभाना चाहते हैं. पदों का वर्गवार वितरण भी किया गया है, जिसमें सामान्य वर्ग के लिए 545, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 364, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 134, अनुसूचित जाति के लिए 283 और अनुसूचित जनजाति के लिए 26 पद शामिल हैं. चयन प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी की जाएगी. पहले चरण में लिखित परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें कंप्यूटर ज्ञान और सामान्य विषयों से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे.

आवेदन से पहले अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे अधिसूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ लें और अपनी पात्रता की जांच कर लें. कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश पुलिस कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए भर्ती 2025 उन युवाओं के लिए एक मजबूत अवसर है, जो तकनीक के माध्यम से सरकारी सेवा में योगदान देना चाहते हैं और एक स्थिर भविष्य की तलाश में हैं.